VETERINARY TODAY
INTERNATIONAL
ISSN 2583-8288

बकरी पालन से अधिक आय कैसे करें

डॉ.उपासना चंद्राकर , डॉ.नेहा पूरे , डॉ.सच्चिदानंद सरकार

doi.org/10.5281/VeterinaryToday.21135777

बकरी पालन का व्यवसाय सदैव समाज के आर्थिक रूप से कमजोर लोगो से जुड़ा रहा है जो कि शिक्षा के प्रति पर्याप्त जागरूक नहीं रहें है और परिणाम स्वरुप बकरी पालन की वही प्राचीन विधियां अपना रहे हैं |

वह इस क्षेत्र में विकसित हुई तकनीकियो से अनभिज्ञ है | यहाँ कुछ महत्वपूर्ण व सरल वैज्ञानिक जानकारियों का वर्णन किया जा रहा है जिसके प्रयोग में लाने से बकरी पालकों को निश्चित रूप से अधिक लाभ होगा |

1. बकरे एवं बकरियों का चयन - बकरे एवं बकरियों के चयन में कुछ बातें समान हैं जैसे नस्ल के गुणों के अनुरूप हो , खुद में एवं उनके माँ बाप में कोई खतरनाक बीमारी न रही हो ,आकार बड़ा एवं मजबूत हो , पसलियों में गहराई हो आदि | इन लक्षणों के अतिरिक्त प्रजनन योग्य बकरो का चयन करते समय आवश्यक है कि बकरी अधिक दूध उत्पादन वाली माँ की संतान हो |

2. परिपक्व होने की आयु - बकरियों में प्रौढ़ आयु लगभग 10 -12 साल में आ जाती है | लेकिन बकरियों में परिपक्वता होने की आयु नस्ल के शरीर आकार पर निर्भर करती है | बड़े आकार वाली बकरियों में प्रौढ़ावस्था सामान्यतः 10 -12 माह में , मध्यम आकार वाली बकरियों में 8 -10 माह में और छोटे आकार वाली बकरियों में 6 -8 महीने पर आ जाती है | लेकिन इनको इनकी प्रौढ़ावस्था से लगभग 2 माह बाद गर्भित करना उचित रहता है , क्योकि इस समय तक इनका जनन तंत्र पूर्ण विकसित हो जाता है तथा शारीरिक भार में वृद्धि होकर मजबूती आ जाती है |

3. मदकाल एवं मदचक्र - बकरियों के गर्मी में आने के समय को मदकाल एवं बकरी के गर्भित न होने पर पुनः गर्मी में आने के अंतराल को मदचक्र कहते है | बकरियों में मदकाल की अवधि लगभग 30 घंटे (12 -36 घंटे) व मदचक्र की अवधि 18 -21 दिन होती है | यह बकरी पालक के लिए आवश्यक है कि उसे

बकरी के गर्मी में होने के लक्षणों की पूर्ण जानकारी हो जिससे वह उसे उचित समय पर गर्भित करा दें |

4. गर्भाधान का समय - लाभप्रद बकरी पालन के लिए परम आवश्यक है कि बकरी पालक उचित समय पर शुद्ध एवं उत्तम बकरे से गर्मी में आयी बकरियों को गर्भित कराये | बकरी के गर्मी में आने के 12 -18 घंटे के बीच के समय को बकरी गर्भाधान के लिए उचित माना गया है | प्रजनन हेतु अच्छी शारीरिक विकास दर व अधिक दूध उत्पादन वाली माँ के बकरे का प्रयोग करना चाहिए | 25 -30 प्रजनन योग्य मादाओ के झुंड पर एक उत्तम नस्ल के बकरा रखना उचित रहता है |

5. उत्पादन आयु - सामान्यतः बकरियों की कुल जीवन उत्पादन आयु 10 -12 वर्ष की होती है लेकिन उनकी अधिकतम उत्पादन क्षमता 4 -6 वर्ष की आयु के मध्य पायी जाती है | अतः बकरियों के समूह में 7 वर्ष की अधिक आयु की मादाओं को रखने से समूह का औसत उत्पादन एवं जनन स्तर घट जाता है | इसलिए बकरी पालक के लिए आवश्यक है कि वह अपने झुंड से अधिक आयु के सभी मादा बकरियों का उचित माध्यम से निस्तारण करके उनके स्थान पर कम उम्र की बकरिया रखे जिससे तुलनात्मक अधिक उद्पादन मिलता रहे |

6. अन्तः प्रजनन से बचाव -सम्बन्धियों के आपस में प्रजनन को अन्तः प्रजनन कहते है | झुंड में अन्तः प्रजनन को रोकना आवश्यक है क्योकि इससे बकरियों के उत्पादन एवं अन्य गुणों में गिरावट आ जाती है | इससे झुंड में उत्पादन दोष पैदा हो जाता है जिससे लगभग सभी गुणों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है | अन्तः प्रजनन को कम करने के लिए झुंड में प्रजनन योग्य बकरा प्रयोग करते समय ध्यान देना चाहिए कि कही इसका प्रयोग इसके रक्त सम्बन्धियों के साथ तो नहीं किया जा रहा है | प्रजनन योग्य बकरे को बकरियों के झुंड में 2 -3 वर्ष से अधिक प्रयोग नहीं करना चाहिए |